दैनिक

# नईदुनिया

गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

www.naiduniaonline.com

वर्ष- 77 (भोपाल : वर्ष 38 अंक 289,पृष्ठ 12) मंगलवार 19 सितंबर 2023 राजधानी संस्करण कीमतः 3:00 रुपये


# संसद का पुराना भवन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा : मोदी

**नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में सोमवार को कहा कि इस 75 वर्ष की हमारी यात्रा ने अनेक लोकतांत्रिक परंपराओं और प्रक्रियाओं का उत्तम से उत्तम सृजन किया है और इस सदन में रहे प्रत्येक व्यक्ति ने सक्रियता से योगदान भी दिया है। संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा - उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख' विषय पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि यह हर किसी के लिए जश्न की बात है।**

उन्होंने कहा कि जी-20 की सफलता 140 करोड़ भारतीयों की सफलता है, किसी एक व्यक्ति या एक पार्टी की नहीं । हम भले नए भवन में जाएंगे लेकिन पुराना भवन भी आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। मोदी ने संसद के विशेष सत्र में कहा कि इस इमारत के निर्माण का निर्णय विदेशी शासकों का था, लेकिन यह बात हम न कभी भूल सकते हैं और हम गर्व से कह सकते हैं कि भवन के निर्माण में पसीना मेरे देशवासियों का लगा था, परिश्रम मेरे देशवासियों का लगा था और पैसे भी मेरे देश के लोगों के लगे थे। इस 75 वर्ष की हमारी यात्रा ने अनेक लोकतांत्रिक परंपराओं और प्रक्रियाओं का उत्तम से उत्तम सृजन किया है और इस सदन में रहे प्रत्येक व्यक्ति ने सक्रियता से योगदान भी दिया है और साक्षी भाव से उसे देखा भी है। हम भले नए भवन में जाएंगे लेकिन पुराना भवन भी आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि नए संसद भवन में जाने से पहले देश के संसद की 75 साल की यात्रा का स्मरण कर लेते हैं। हम सब इस एतिहासिक भवन से विदा ले रहे हैं।

आज़ादी के पहले यह सदन इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल का स्थान हुआ करता था। आजादी के बाद इस भवन को संसद भवन की पहचान मिली। प्रधानमंत्री ने कहा कि चारों तरफ भारत की चर्चा हो रही है। चंद्रयान-3 सफलता से पूरा देश अभिभूत है। इसमें भारत के सामर्थ्य का एक नया रूप विज्ञान से जुड़ा है। हमारे वैज्ञानिकों के सामर्थ्य से जुड़ा है। यह देश और दुनिया में नया प्रभाव डालेगा। आजाद भारत से जुड़ी हुई अनेक

घटनाएं बीते 75 साल में इसी सदन में हुई। मोदी ने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि देश हमें इतना सम्मान देगा। गरीब का बेटा भी सांसद बनता है यह भारत के लोकतंत्र की ताकत है। आज दुनिया भारत में अपना मित्र खोज रही है। सबका साथ सबका विकास हमें जोड़े रखा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस इमारत में आतंकी हमला भी हुआ। यह हमला संसद पर नहीं बल्कि हमारी जीवात्मा पर था। देश इसे (शेष पेज 2 पर)

## नेहरू-वाजपेयी को किया याद

पुराने संसद भवन में लोकसभा में अपना आखिरी भाषण देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अपने पूर्ववर्ती पीएम मनमोहन सिंह के योगदान को सराहते हुए राष्ट्र निर्माण में सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान को याद किया। मोदी ने 14-15 अगस्त, 1947 को आधी रात में संविधान सभा में जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण ट्रिस्ट विद डेस्टिनी को याद करते हुए कहा कि पंडित नेहरू का वह भाषण हम सबको प्रेरित करता रहेगा। मोदी जब जवाहर लाल नेहरू के भाषण और योगदान को याद करते हुए उनकी प्रशंसा कर रहे थे, उस समय सत्ता पक्ष की तरफ से मेज थपथपाकर उनके तारीफ का समर्थन किया जा रहा था, लेकिन कांग्रेस सांसदों की तरफ से ऐसा कुछ नहीं किया गया। ऐसे में कांग्रेस के तालियां नहीं बजाने पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कुछ बातें ऐसी हैं जो हर किसी की ताली की हकदार है, लेकिन इसमें भी राजनीति आड़े आ रही है। जब नेहरू के योगदान को याद किया जा रहा हो तो भला कौन उसे नहीं मानेगा। उन्होंने कहा कि इन 75 वर्षों में अनेक लोकतांत्रिक परंपराएं बनीं और इसमें सभी ने योगदान दिया है।

## प्रधानमंत्री संसद में जब आते हैं तो इसे इवेंट बनाकर चले जाते हैं : खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में अपने भाषण में मणिपुर का मुद्दा उठाया और प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं लेकिन मणिपुर का दौरा नहीं करने के लिए उनकी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष पिछले सत्र के दौरान बहस चाहता था। खड़गे ने कहा कि नेहरू का माननाथा कि मजबूत विपक्ष की अनुपस्थिति का अर्थ है कि व्यवस्था में महत्वपूर्ण कमियाँ हैं। अगर मजबूत विपक्ष नहीं है तो यह ठीक नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब, जब एक मजबूत विपक्ष है, तो ईडी, सीबीआई के माध्यम से इसे कमजोर करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री संसद में कम ही आते हैं और जब आते हैं तो इसे एक इवेंट बनाकर चले जाते हैं। खड़गे ने संसद के बाहर विभिन्न मुद्दों पर भाषण देने के लिए प्रधानमंत्री की आलोचना की। उन्होंने उल्लेख किया कि नियम 267 के तहत सात बार बहसें हुईं। उन्होंने उपसभापति को उस समय-सीमा के बारे में पूछताछ करने के लिए प्रेरित किया जिसमें ये बहसें हुईं, उन्होंने सुझाव दिया कि यह एक दशक या उससे अधिक समय तक चली होगी। भाजपा को अपनी राजनीति के तरीके को बदलने की सलाह देते हुए,खड़गे ने कहा,आप अपनी राजनीति करने का तरीका बदलें, अगर हम नई संसद में चले गए तो कुछ भी नया (शेष पेज 2 पर)

# रानी दुर्गावती की स्मृति में बनेगा सौ करोड़ की लागत से भव्य स्मारक

## सरकार जनजातीय कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित : मुख्यमंत्री

**भोपाल (काप्र)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आगामी 5 अक्टूबर को रानी दुर्गावती के 500 वें जन्मदिवस पर मदन महल की जमीन पर 100 करोड़ रूपये की लागत से भव्य स्मारक का भूमि-पूजन किया जायेगा। यह भव्य स्मारक रानी दुर्गावती के शौर्य, वीरता, सेवा, सुशासन एवं गौरव का प्रतीक होगा तथा युगों-युगों तक रानी की स्मृति को जीवन्त रखेगा।**

श्री चौहान ने अपने जबलपुर प्रवास के दौरान वेटनरी ग्राउंड में आयोजित 1857 की क्रान्ति के जनजातीय नायक राजा शंकरशाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में श्री चौहान का स्वागत जनजातीय संस्कृति के प्रतीक वीरा और साफा पहनाकर किया गया। चौहान कहा कि अमर क्रांतिकारी राजा शंकरशाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार नहीं किया और उनके खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंका। उनके इसी शौर्य एवं पराक्रम से भयभीत होकर अंग्रेजों ने उन्हें तोप के मुंह के सामने रखकर उड़ा दिया। राजा शंकरशाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदानों को भुलाया नहीं जा सकता। ये वीर सदैव हमारे लिये प्रेरणा का स्त्रोत रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय नायकों के बलिदानों को स्मरण करने के लिये प्रतिवर्ष प्रदेश शासन द्वारा 18 सितम्बर को शहीद दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्ष में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आतिथ्य में जबलपुर में ही आयोजित हुये शहीद दिवस कार्यक्रम में गरीब आदिवासी वर्ग के लिये की गई सभी 14 घोषणायें पूर्ण कर ली गई है। इन घोषणाओं के पूर्ण हो जाने से प्रदेश के आदिवासी भाई-बहन समाज के मुख्य धारा से जुड़ रहे है तथा इनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने गोंड साम्राज्य की शासिका वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य गाथा का उल्लेख करते हुये बताया कि रानी दुर्गावती ने अपने शौर्य और सामर्थ्य से एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की थी जिसमें मदन-महल, गढ़ा मंडला, सिंग्रामपुर शामिल है। उन्होनें मुगल शासक अकबर से भी वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहूति दी, पर मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की। पेसा अधिनियम से आदिवासियों को मिला जल, जंगल, जमीन पर अधिकार मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी बंधुओं के कल्याण के लिये प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनायें संचालित की हैं। सरकार ने पेसा अधिनियम लागू कर प्रदेश के 89 जनजातीय विकासखंडों में जनजातियों को जल, जंगल, जमीन पर सशक्त अधिकार दिये हैं। इन विकासखंडों में जनजातीय भाई-बहनों ने तेंदूपत्ता संग्रहण में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनकी आर्थिक स्थति सुदृढ़ हुई है। सरकार की प्राथमिकता है कि संसाधनों पर सभी का समान रूप से अधिकार हो। अब (शेष पेज 2 पर)

## खास-खबरें

### राज्यसभा की कार्यवाही आज से होगी नए संसद भवन में

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि सदन की कार्यवाही मंगलवार को नये संसद भवन में होगी। धनखड़ ने संसद के विशेष सत्र के पहले दिन संविधान सभा से लेकर 75 वर्षों की संसदीय यात्रा - उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख विषय पर चर्चा संपन्न होने के बाद शाम छह बजे कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों ने चर्चा के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया तथा विस्तार से अपनी बात रखी ।

### ईडी के समन को चुनौती वाली सोरेन की याचिका खारिज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने कथित अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को चुनौती देने वाली झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका सोमवार को खारिज करते हुए उन्हें झारखंड उच्च न्यायालय दरवाजा खटखटाने को कहा। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने श्री सोरेन के वकील मुकुल रोहतगी से कहा कि वो राहत के लिए पहले उच्च न्यायालय के समक्ष याचिका दायर करें।

## नए संसद भवन में नए प्रतिमान बनेंगे लोकतंत्र की प्रतिष्ठा बढ़ेगी : बिरला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद के विशेष सत्र के पहले और पुराने भवन के अंतिम दिन कार्यवाही पूरे होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बात पर संतोष जताया कि देश की 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर सारगर्भित एवं सकारात्मक चर्चा हुई तथा आशा जतायी कि नये सदन में लोकतांत्रिक परंपराओं के नये प्रतिमान स्थापित होंगे।

दिन भर चर्चा के शाम छह बजे समापन पर बिरला ने कहा कि इस सदन की बैठक के अंतिम दिन देश की 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर सारगर्भित एवं सकारात्मक चर्चा हुई है। प्रधानमंत्री, सभी दलों के नेताओं ने भारत की संसद की यात्रा को लेकर अपने अपने विचार रखे, ऐतिहासिक घटनाओं और अपने सुखद अनुभवों को साझा किया और उन्हें लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। बिरला ने कहा कि कल नये भवन से संसदीय कार्यवाही का संचालन का शुरू होना ऐतिहासिक अविस्मरणीय पल होगा। नये सदन में इस भवन की स्मृतियां हमारे मन में अंकित रहेंगी। इस सदन में लोकतांत्रिक मर्यादाएं, परंपराएं, गरिमा स्थापित हुईं हैं जिनके कारण भारत के लोकतंत्र को विश्व में प्रतिष्ठा हासिल हुई है, नये भवन में भी लोकतंत्र की यात्रा में मर्यादा, परंपरा के नये प्रतिमान स्थापित होने की आशा है। उन्होंने कहा कि आशा है कि सदस्य अब विरोध जताने के लिए प्ले कार्ड लेकर नहीं आयेंगे। वे नये प्रतिमानों से नयी श्रेष्ठ परंपराओं से अपनी भावनाओं को प्रकट करेंगे। उन्होंने कहा कि वह चार साल तीन महीने से सबके सहयोग से सदन को संचालित कर पाये और सदन ने जिस तरीके से कई गंभीर मुद्दों पर एकमत होकर निर्णय किया है, आशा है कि नये भवन में भी नयी ऊर्जा, नये संकल्प से एकमत (शेष पेज 2 पर)

## महिला आरक्षण बिल को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद के विशेष सत्र के बीच सोमवार को मोदी कैबिनेट ने महिला आरक्षण बिल को मंजूरी दी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लोकसभा और विधानसभाओं जैसी निर्वाचित संस्थाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण को मंजूरी दी गई । महिला आरक्षण विधेयक को 19 सितंबर मंगलवार को लोकसभा में पेश किया जाएगा । इससे पहले संसद का विशेष सत्र शुरू होने से ठीक पहले सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संसद का सत्र छोटा है, लेकिन समय के हिसाब से बहुत बड़ा, मूल्यवान और ऐतिहासिक निर्णयों का है । केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के माध्यम से महिला आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को धन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा- महिला आरक्षण की मांग पूरा करने का नैतिक साहस मोदी सरकार में ही था, जो कैबिनेट की मंजूरी से साबित हो गया। अभिनंदन प्रधानमंत्री और मोदी सरकार का अभिनंदन। मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्री प्रह्लाद जोशी, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, अनुराग ठाकुर, अर्जुन राम मेघवाल और वी मुरलीधरन शामिल हुए। मीटिंग से पहले वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी (शेष पेज 2 पर)

**आज संसद में पेश हो सकता है विधेयक**

## लोस में दो बार बज गया राष्ट्रगान, स्पीकर ने टेक्निकल चूक बताते हुए जांच का आदेश दिया

**नईदिल्ली(एजेंसी)।** संसद के विशेष सत्र के पहले दिन सोमवार को लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही अचानक सदन में राष्ट्र गान बजने से एक अजीब सी स्थिति पैदा हो गई। उस समय 11 नहीं बजे थे और न ही लोक सभा स्पीकर ओम बिरला अपने आसन पर बैठे थे। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही राष्ट्रगान शुरू हो गया और उस समय सदन में मौजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सोनिया गांधी समेत सभी सांसद सम्मान में खड़े हो गए। इसके खत्म होते ही लोक सभा के महासचिव उत्पल सिंह जैसे ही सदन के अंदर आए, प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे जानने की कोशिश की कि क्या हुआ। लोक सभा स्पीकर बिरला के आने के बाद सदन की परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रगान के साथ सदन की कार्यवाही शुरू हुई। यह टेक्निकल चूक है, आपने इसे संज्ञान में लाया है और इस चूक की जांच करवाई जाएगी।

## *तमिलनाडु में अलग हुई भाजपा और एआईएडीएमके की राह*

***चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एआईएडीएमके के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। एआईएडीएमके नेता डी जयकुमार ने सोमवार को जानकारी दी कि भाजपा तमिलनाडु में के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन में नहीं है। वरिष्ठ नेता डी जयकुमार ने 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गठबंधन पर स्पष्टीकरण देते हुए सोमवार को संवाददाताओं से कहा,हम चुनाव के दौरान ही गठबंधन के बारे में फैसला करेंगे। अपने बयान में उन्होंने कहा कि बीजेपी एआईएडीएमके के साथ गठबंधन में नहीं है। गठबंधन के बारे में हम चुनाव के दौरान ही फैसला करेंगे। यह मेरा निजी विचार नहीं है। यह हमारी पार्टी का रुख है। एआईएडीएमके नेता ने आगे कहा कि बीजेपी कैडर एआईएडीएमके के साथ गठबंधन चाहते हैं लेकिन अन्नामलाई (टीएन बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई) गठबंधन नहीं चाहते हैं। वह हमेशा हमारे नेताओं की आलोचना करते हैं। वह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए अयोग्य हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने नेताओं पर लगातार आलोचना स्वीकार नहीं कर सकते। अन्नामलाई पहले ही हमारी नेता जयललिता की आलोचना कर चुके हैं। उस समय हमने अन्नामलाई के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था। उन्हें ये रोकना चाहिए था। वह अन्ना, पेरियार और महासचिव की आलोचना कर रहे हैं। कोई भी कैडर इसे स्वीकार नहीं करेगा। कल हमें खेत पर काम करना है। इसलिए बिना किसी विकल्प के हमने इसकी घोषणा कर दी।*

## अनंतनाग में छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए छठे दिन तलाशी अभियान जारी

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू कश्मीर के अनंतनाग के घने जंगलों में छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए सोमवार को छठे दिन सुरक्षा बलों को तलाश अभियान निरंतर जारी है। अधिकारियों ने कहा कि गडोल कोकेरनागर में कल शाम से किसी भी तरफ से कोई गोलीबारी नहीं हुई है और सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान जारी रखा है। अभी तक इस बीच किसी आतंकवादी के मारे जाने की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आयी है। गौरतलब है कि सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में 19 राष्ट्रीय राइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनप्रीत सिंह, उनके कंपनी कमांडर, 19 आरआर से मेजर आशीष धोंचक दो शीर्ष सेना अधिकारियों और पुलिस उपाधीक्षक हुमायूं मुजामिल भट के शहीद होने और दो अन्य जवान के घायल होने के बाद बुधवार से ऑपरेशन चल रहा है।

**स्पेशल खबर** *राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने कहा...*

## लोकतंत्र में व्यवधान की रणनीति को समर्थन नहीं मिलता

**नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद में स्वस्थ बहस को फलते-फूलते लोकतंत्र की पहचान करार देते हुए आज कहा कि सदस्यों को टकराव से बचना चाहिए क्योंकि व्यवधान की रणनीति को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का लोग कभी समर्थन नहीं करेंगे।**

धनखड़ ने सोमवार को यहां संसद के विशेष सत्र के पहले दिन संविधान सभा से लेकर 75 वर्षों की संसदीय यात्रा - उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख विषय पर चर्चा से पहले अपनी आरंभिक टिप्पणी में कहा कि यह सदस्यों को चिंतन और आत्मनिरीक्षण करने का उपयुक्त अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि

स्वस्थ बहस एक फलते-फूलते लोकतंत्र की पहचान है। हमें टकराव से बचना चाहिए। एक रणनीति के रूप में व्यवधान को हथियार के रूप में प्रयोग करने का लोग कभी भी समर्थन नहीं करेंगे। हम सभी को संवैधानिक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों का पोषण करने के लिए नियुक्त किया गया है और इसलिए हमें लोगों के विश्वास पर खरा उतरना चाहिए और उसकी पुष्टि करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सभी पर लोगों के हितों की रक्षा का दायित्व है और यह इसके लिए उचित अवसर है। यह इस बात को भी याद करने का अवसर है , हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ने वाले योद्धा थे, हमारे विद्वान संविधान निर्माता बहुत दूरदर्शी थे, जिन्होंने बहुत विचार-विमर्श के बाद हमें एक ऐसा संविधान प्रदान किया जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। सभापति ने कहा कि संविधान सभा से लेकर आज अमृत काल तक, सात दशक से अधिक की यात्रा करते हुए संसद ने कई मील के (शेष पेज 2 पर)